थार महोत्सव

चर्चा में क्यों?

28 से 30 मार्च, 2022 तक पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर ज़िले में लोक कला, संस्कृति, इतिहास, पर्यटन एवं हस्तशिल्प को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 'थार महोत्सव' का आयोजन किया गया।

प्रमुख बिंदु

- उल्लेखनीय है कि पश्चिमी राजस्थान के बाड़मेर ज़िले की कला और लोक संस्कृति का परिचायक 'थार महोत्सव' का आयोजन 10 साल के बाद पुन: शुरू किया गया।
- बाड़मेर में इससे पहले वर्ष 2012 में थार महोत्सव का आयोजन किया गया था। वर्ष 1986 से 2012 तक लगातार इसका आयोजन किया गया था।
- पश्चिमी राजस्थान की लोक कला, संस्कृति, परंपरा, लोक संगीत, लोक जीवन, थार की जीवन- शैली, इतिहास से दुनिया को रू-ब-रू कराने के उद्देश्य से वर्ष 1986 में ज़िला प्रशासन ने थार महोत्सव की शुरुआत की थी।
- बाड़मेर ज़िले में तिलवाड़ा पशु मेला, महाबार के मखमली धोरे, नाकोड़ा का धार्मिक पर्यटन, मुनाबाव का बॉर्डर, किराडू के मंदिर, बीसू के मंदिर, पचपरदा के नमक के पिरामिड, सिवाना का किला, हल्देश्वर की पहाड़ियाँ, गेर नृत्य और यहाँ की पशु समृद्धि के साथ ही मरु उद्यान भी पर्यटकों के आकर्षण का केंद्र हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/thar-festival